S. S. College, Jehanabad.
B. A. Part-I Psychology (Subsidiary)
Teacher - A.K. Sinha Date - 15.02.2021
Topic — Page - 1

Perceptual Organization
or
Gestalt Theory of Perception.

प्रत्यक्षीकरण में संगठनात्मक विचारधारा का जन्म Wilhelm Wundt के संरचनावाद के विरोध में हुआ। Wundt के संरचनावाद के अनुसार प्रत्यक्षीकरण में मानसिक प्रक्रियाएँ मानसिक तत्वों के योग से होता है इसलिए इसके अध्ययन के लिए मानसिक तत्वों के संरचना का अध्ययन करना आवश्यक है। परन्तु गेस्टाल्टवादी विचारधारा के अनुसार मानसिक प्रक्रियाएँ केवल मानसिक तत्वों का योगफल नहीं है अपितु इनमें समग्रता का गुण पाया जाता है, जो मानसिक संगठन की क्रिया के परिणाम स्वरूप होती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि किसी वस्तु या उत्तेजक परिस्थिति की संपूर्णता में अनुभव सम्बन्धी विशेषताओं को ही Gestalt की संज्ञा दी जाती है।

मनोविज्ञान में Gestalt एक विचारधारा है। यह एक जर्मन शब्द है। इस शब्द का शुद्ध अंग्रेजी या हिन्दी अनुवाद अभी तक संभव नहीं हो पाया है परन्तु इसका अर्थ आकृति या रूपरेखा के रूप में लिया जाता है। Gestalt दृष्टिकोण या विचारधारा का जन्मदाता एक जर्मन मनोवैज्ञानिक 'Max Wertheimer' है जिन्होंने 1910 में फ्रैंकफर्ट विश्वविद्यालय में दृष्टि संवेदन पर कुछ साधारण प्रयोग किये थे। इनके प्रयोग में Kurt Koffka तथा Wolfgang Kohler प्रयोज्य के रूप में काम किये थे। वर्दिमियर ने अपना प्रयोग 1911 तथा 1912 में एक सिनेमा के पर्दे पर Light से सम्बन्धित दो Vertical रेखा को Projector के सहारे Project कर किया। इस प्रयोग में Koffka तथा Kohler Subject के रूप में

काम किये थे। प्रयोग के प्रारम्भ में दोनों रेखाओं को बारी-2 से दिखाया गया जो एक सेकेण्ड में 10 बार था तो दोनों का प्रत्यक्षीकरण अलग-अलग होता था परन्तु इसके Projector frequency को बढ़ा दिया गया यानि एक सेकेण्ड में 15 बार या 20 बार दोनों रेखाओं को बारी-2 से project कर दिखाया गया तो एक ही रेखा गतिशील होकर दूसरे स्थान को ग्रहण करता था यानि एक ही रेखा का प्रत्यक्षीकरण प्रयोज्यों द्वारा किया गया जो गतिशील हो जाता था। इस प्रकार दो स्थिर रेखाओं में प्रयोज्य द्वारा गति का अनुभव या प्रत्यक्षीकरण किया गया। प्रयोज्यों का यह अनुभव उत्तेजना की भौतिक विशेषता के अनुरूप न होकर मस्तिष्क की संगठनशक्ति के अनुसार भिन्न रूप में हुआ। गति के इस भ्रामक अनुभव को Phi-Phenomenon की संज्ञा दी गई है। Wertheimer के इस प्रयोग के फलस्वरूप मनोविज्ञान में एक नये विचार-धारा को जन्म दिया जिसे Gestaltism या गेस्टाल्टवाद के नाम से जाना जाता है। इस विचारधारा के जन्म के उपरान्त Wundt के संरचनावाद की 40-45 वर्ष पुरानी भवन की नींव हिल गई और मनोविज्ञान जगत में एक नये विचारधारा की किरण प्रस्फुटित हो गई। संगठनात्मक प्रत्यक्षीकरण पर भी— Gestalt विचारधारा के नई किरण पड़ी और प्रत्यक्षीकरण के क्षेत्र में एक नया सिद्धान्त का अभ्युदय हुआ जिसे Gestalt Theory of Perception की संज्ञा दी गई।

शेष पृष्ठ-3 पर